सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या– **421**
01/06/2017

गंगा नदी की निर्मलता उसकी अविरलता के बिना संभव नहीं है :– मुख्यमंत्री

पटना, 01 जून 2017 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज राजकीय अतिथिशाला पटना में केन्द्रीय जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा जीर्णोद्धार मंत्री सुश्री उमा भारती के साथ गंगा की अविरलता के संबंध में बैठक की। मुख्यमंत्री ने कहा कि गंगा नदी की निर्मलता उसकी अविरलता के बिना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि हम इस मामले को लगातार उठाते रहे हैं। गंगा नदी में जलस्राव में कमी के कारण इसके तल में अत्यधिक सिल्ट जमा हो गया है। उन्होंने कहा कि चितले कमिटी बनी थी और चितले कमिटी ने अपनी रिपोर्ट में भी सिल्ट का जिक्र किया है किंतु चितले कमिटी ने स्थल का निरीक्षण नहीं किया। चितले कमिटी की रिपोर्ट पर बिहार का कमेंट केन्द्र सरकार को भेजा जा चुका है। उन्होंने कहा कि यू0पी0ए0 सरकार में भी और 2015 में इंटर स्टेट काउंसिल की बैठक तथा प्रधानमंत्री से मिलकर इन बातों को रखा गया है। उन्होंने कहा कि फरक्का बराज के निर्माण के पश्चात गंगा नदी के जल का नैसर्गिक प्रवाह बाधित हुआ है। बराज के अपस्ट्रीम में गंगा के प्रवाह में जो गाद पहले जल के साथ बह जाता था, अब नदी के तल में जमा होते जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 20 साल पूर्व गंगा नदी की जो गहराई और पानी को देखते थे और जब आज देखते हैं तो रोना आता है। गंगा नदी छिछली हो गयी है। उन्होंने कहा कि गंगा नदी की विशेषता को समझना होगा। इंगलैंड और अमेरिका के नदियों से इसकी तुलना नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि सोन नदी और पुनपुन की धार खत्म हो गयी है। पानी का बहाव घट गया है और पानी सिल्ट के साथ निकलता था, वह नहीं निकलता है। उन्होंने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री से अनुरोध किया था कि 10 जून से पहले अधिकारियों एवं विशेषज्ञों के दल को भेजें ताकि वे अपनी ऑख से इसे देख सकें। उन्होंने कहा कि इस वर्ष मॉनसून अच्छी होने की संभावना है, ऐसी स्थिति में बाढ़ को रोकना मुश्किल होगा। उन्होंने कहा कि जो सिवरेज ट्रीटमेंट प्लांट लगाया जा रहा है, उसका पानी वापस नदी में न गिरे, इसका ध्यान रखना होगा। उन्होंने अनुरोध किया कि गंगा नदी का बहाव बढ़ाते हुये सिल्ट हटाया जाय। उन्होंने कहा कि 20 साल पूर्व तक गंगा नदी का पानी बाल्टी में रखने पर गाद नहीं जमता था, अब तो नहाने लायक भी नहीं बचा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जो गंगा नदी की स्थिति है, उसको अधिकारी एवं विशेषज्ञ व्यवहारिक रूप से स्थल निरीक्षण कर देख लें और तब समस्या के समाधान पर सोचें। उन्होंने कहा कि टेक्सट बुक नॉलेज पर अधिकारी और विशेषज्ञ न जायें। उन्होंने कहा कि सभी इंजीनियरिंग ऑर्गनाइजेशन को ओपेन माइंड से सोचना होगा। उन्होंने कहा कि इकोलॉजी, इंजीनियरिंग तथा देश भर में गंगा नदी के प्रति लोगों की भावना को देखते हुये समाधान

ढूँढ़ना होगा। स्थल निरीक्षण कर खुद देखते हुये लोगों से जानकारी लेकर ही समस्या का समाधान होगा क्योंकि यदि अविरलता नहीं रहेगी तो गंगा निर्मल कहॉ से होगी।

केन्द्रीय मंत्री एवं उनके साथ आये अधिकारियों के दल ने नमामी गंगे के अन्तर्गत तथा बिहार में चल रहे अन्य योजनाओं की विस्तृत जानकारी मुख्यमंत्री को दी। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि सिल्ट की समस्या है और सिल्ट को हटाना होगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा दिये गये सुझावों का पूरा ध्यान रखा जायेगा।

इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, मुख्य सचिव श्री अंजनी कुमार सिंह, विकास आयुक्त श्री शिशिर सिन्हा, प्रधान सचिव जल संसाधन श्री अरूण कुमार सिंह, प्रधान सचिव परिवहन श्रीमती सुजाता चतुर्वेदी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री चंचल कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अतीश चन्द्रा, मुख्यमंत्री के सचिव श्री मनीष कुमार वर्मा, केन्द्रीय मंत्री के साथ आये विभाग के वरीय अधिकारीगण तथा जल संसाधन विभाग बिहार, पटना के वरीय अधिकारी एवं अभियंता उपस्थित थे।

******